

बारबाडोस की अमेरिकन यूनिवर्सिटी, स्कूल ऑफ मेडिसिन

बारबाडोस को कैरेबियन द्वीप का कोरल का स्वर्ग कहा जाता है। यहां का रहन-सहन, खान-पान, प्राकृतिक सौंदर्य मन को लुभाने वाला है। साथ ही, यहां का शुष्क वातावरण, नीले समुद्र का आकाश में मिलना एक मनोरम तस्वीर पेश करता है। बारबाडोस को यूएनओ की नेशन कैरेबियन ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट में कैरेबियन द्वीप का सबसे सुरक्षित इलाका माना गया है। इन सब खुशियों की वजह से यह स्थान मेडिकल की पढ़ाई के लिए सबसे बेस्ट हो सकता है। इसलिए यहां की अमेरिकन यूनिवर्सिटी मेडिकल की पढ़ाई में आपके सपनों को पूरा करने में सहायक हो सकती है। यूनिवर्सिटी में स्कूल ऑफ मेडिसिन की पढ़ाई में छात्रों की जरूरतों और आवश्यकताओं का पूरा खयाल रखा गया है। लखनऊ के ईरास मेडिकल कॉलेज



का इस यूनिवर्सिटी को पूरा सहयोग मिल रहा है। ईरास मेडिकल कॉलेज उत्तर भारत का जाना माना मेडिकल संस्थान है। यूनिवर्सिटी में संपूर्ण तकनीक के साथ मेडिकल का आधुनिक अध्ययन कराया जाता है। उच्च स्तर की लैब तथा शी डी एनिमेशन वीडियो यहां की मुख्य विशेषता है। यहां के शिक्षक विश्व स्तर पर मानद संस्थानों से शिक्षा हासिल किए हुए हैं। उनका तकनीक कौशल यहां के छात्रों के लिए बड़ा लाभदायक हो सकता है। संस्थान की गुणवत्ता को देखते हुए यहां प्रतिभाशाली छात्र पढ़ने के लिए आ रहे हैं। उत्तुंग मेडिकल छात्रों की हर शैक्षिक आवश्यकता को यहां के डॉक्टर शिक्षक और अपने क्षेत्र के माहिर विशेषज्ञ हर तरीके से पूरा करते हैं। संस्थान का उद्देश्य छात्रों को उच्च मेडिकल शिक्षा देकर सिर्फ बेहतर डॉक्टर ही नहीं बनाना है बल्कि उनको सामाजिक दायित्व के बारे में भी यहां बताया जाता है ताकि वह अपने रोगी के साथ मानवीय गरिमा का व्यवहार कर सकें। यहां के मेडिकल छात्रों को प्रशिक्षण के लिए अमेरिका, कैरेबियन, माल्टा, भारत और फिलीपींस के हॉस्पिटलों में प्रशिक्षण दिया जाता है। यहां के भारतीय छात्र एमसीआई स्क्रीनिंग टेस्ट देकर भारत में मेडिकल प्रोफेशन की शुरुआत कर सकते हैं। स्क्रीनिंग टेस्ट विदेश में मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए आयोजित किया जाता है। यहां के वह भारतीय छात्र जो अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में रहते हैं और वहां से पीजी की पढ़ाई कर चुके हैं, उन्हें स्क्रीनिंग टेस्ट की जरूरत नहीं है।

जे.के. लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी जयपुर

जयपुर में जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी के चौथे कन्वोकेशन समारोह का आयोजन 28 मई 2016 को यूनिवर्सिटी कैंपस में किया गया। समारोह में यूनिवर्सिटी के चांसलर भारत हरि सिंघानिया, पद्मभूषण डॉ. डीआर मेहता पूर्व चैंयरमैन सेबी, प्रो. चांसलर डॉ. आरपी सिंघानिया, वाइस चांसलर डॉ. रोशन लाल रैना तथा मैनेजमेंट एंड एकेडमिक कौंसिल के बोर्ड मेंबर, शिक्षक, आमंत्रित अतिथि, स्टाफ मेंबर, मीडिया, प्रतिनिधिगण, स्नातक छात्र अपने परिजनों के साथ उपस्थित थे।

समारोह में इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट के स्नातक तथा परास्नातक छात्रों को उपलब्धियां प्रदान की गईं। सेबी के पूर्व चैंयरमैन और पद्मभूषण डॉ. डीआर मेहता के हाथों उपाधियां पाकर छात्र गौरवान्वित हुए। डॉ. मेहता ने इस अवसर पर सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए नवनिर्माण तथा तकनीक एक बेहतर हलमार्क होगी। हमें अब बहुआयामी ढंग से सोच और विचार की जरूरत है। एक रेखीय विचारधारा आज प्रासंगिक नहीं रही। हमें नवनिर्माण में लचीला होते हुए तेजी से बदलते दौर के इस प्रतियोगी युग में उच्च तकनीक के साथ कदम मिलाने होंगे। चांसलर भारत हरि सिंघानिया ने कहा कि हमारा संस्थान आप सभी छात्रों का स्वागत करते हुए आपसे भविष्य को बदलने के लिए एक अग्रणी प्रतिभा बनने की अपेक्षा करता है। हम चाहते हैं आप सभी में असंभव को हासिल करने एवं नए प्रयोग के साथ बदलाव का साहस हो। जेके संगठन के संस्थापक स्वर्गीय श्री लक्ष्मीपत सिंघानिया के कथन को भी चांसलर महोदय ने याद किया। संस्थापक महोदय का मानना था कि देश की आवाज सुनो और वर्तमान बदलाव में अपनी



उपस्थिति दर्ज कराओ। हर कोई अपना आकाश स्वयं चुने। ऐसा कर हम व्यापार और उद्योग में अपनी सफल सहभागिता दे सकेंगे। वाइस चांसलर डॉ. रोशन लाल रैना ने छात्रों को बधाई देते हुए पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पक्तियां दोहराई कि अलग करने का साहस रखो, नवनिर्माण का साहस रखो, अनजान रास्तों के पथिक बनों, असंभव की खोज करने का साहस रखो, समस्याओं को जीत कर सफल हो। यूनिवर्सिटी के सभी छात्रों को डॉ. रैना ने बधाई देते हुए पदक विजेताओं छात्रों की विशेष रूप से तारीफ की। उन्होंने सभी परिजनों का भी आभार व्यक्त किया।